संत थॉमस स्कूल, धुर्वा, राचँी

सत्र-2021-22

कक्षा-8

विषय-हिन्दी

पाठ-5. कोशिश करने वालों की-------

प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

मौखिक -

1. लहरों से डरकर
2. मन के विश्वास से
3. मोती
4. नींद और चैन

लिखित

1.जीवन में जो निरंतर प्रयासरत रहता है। असफलता से हार नहीं मानता बल्कि उसे चुनौती मानकर स्वीकार करता है। इस प्रकार अपनी कमियों को दूर कर संघर्ष करता है। उनकी हार नहीं होती।

2 मन में विश्वास से नस- नस में साहस बढ़ता है। बार-बार की असफलता से भी वह हार नहीं मानता बल्कि कोशिश करता रहता है। इस प्रकार उसकी कोशिश बेकार नहीं होती।

3.मोती प्राप्त करने के लिए गोताखोर सागर के तल तक डुबकिया लँगाता है। बार-बार असफल होने पर भी वह हार नहीं मानता और दुगुने उत्साह से डुबकियाँ लगाता है। तब हर बार की तरह उसकी मुट्ठी खाली नहीं होती। इस प्रकार वह मोती प्राप्त करने में सफल होता है।

4.असफलता को चुनौती मानकर स्वीकार करना चाहिए। नींद, चैन को त्याग कर अपनी कमियों में सुधार लाना चाहिए।

5.हिम्मत न हारते हुए मन में साहस और विश्वास के साथ बार-बार प्रयत्न करना चाहिए। निरंतर परिश्रम कर संघर्ष करना चाहिए। जिससे जीवन में सफलता प्राप्त होती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न -

1.मन में साहस और विश्वास के साथ धैर्य रखते हुए हमेशा प्रयत्न करना चाहिए। राह में आने वाली मुश्किलों का डटकर सामना करने वालों को ही जीवन में सफलता मिलती है। जिससे व्यक्ति निरंतर प्रगतिशील होता है। परिश्रमी व्यक्तियों में दुगुना साहस बढ़ता है। उसकी जय -जयकार होती है।

2. दाना लेकर दीवारों पर चढ़ती हुई चींटी कई बार फिसलती है फिर चढ़ती है। लेकिन वह घबराती नहीं है। गिरने से उसके मन में विश्वास के साथ नसों में साहस बढ़ता है। इस प्रकार चढ़कर गिरना और गिरकर चढ़ना उसे अखरता नहीं है।वह प्रयत्नशील रहती है। अंत में उसकी मेहनत बेकार नहीं होती बल्कि वह अपने काम में सफल होती है।

3. गोताखोर डुबकिया ँलगाता समुद्र की गहराई तक जाता है। तब कई बार उसकी मुट्ठी खाली होती है। सरलता से मोती नहीं मिलता। खाली मुट्ठी देखकर वह हैरान नहीं होता है। वह दुगुने साहस से फिर डुबकी लगाता है। इस प्रकार बार-बार के प्रयास और साहस से उसे सफलता प्राप्त होती है हर बार की तरह इस बार उसकी मुट्ठी खाली नहीं होती।

4. सफलता प्राप्त करने के लिए हिम्मत न हारते हुए बार-बार प्रयत्न करना चाहिए। मन में धैर्य और विश्वास के साथ मेहनत करना चाहिए। असफलता प्राप्त करने पर उसे चुनौती मानकर स्वीकार करना चाहिए अपनी कमियों को दूर कर संघर्ष करना चाहिए।

5 इस कविता में कवि सोहन लाल द्विवेदी जी ने अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयत्न करना अनिवार्य बताया है। मन में विश्वास और धैर्य के साथ परिश्रम करना चाहिए। मुश्किलों का डटकर मुकाबला करना चाहिए। असफलता को चुनौती मानकर संघर्ष करना चाहिए। असफलता से हार कर नहीं बैठना चाहिए बल्कि अपनी कमियों को दूर कर निरंतर प्रयत्नशील रहने की शिक्षा दी गई है। ताकि हम अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर प्रगतिशील बने।